भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2850

18 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए

पीएलआई का कार्यान्वयन

2850. श्री पी. सी. मोहन:

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) देश में विशिष्ट इस्पात के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है, राज्यवार कुल आवंटित, वितरित धनराशि और लाभार्थियों का विवरण क्या है;

(ख) क्या उच्च श्रेणी के इस्पात के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए योजना के तहत विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं तथा क्या आयात पर निर्भरता कम करने और निर्यात क्षमता बढ़ाने पर इसका अपेक्षित प्रभाव होगा; और

(ग) पीएलआई योजना में लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) की समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदम क्या हैं तथा योजना की प्रगति की निगरानी करने और कार्यान्वयन चुनौतियों का समाधान करने के लिए स्थापित किए गए तंत्र क्या हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (ग) देश में 'विशेष इस्पात' के विनिर्माण को बढ़ावा देने और पूंजीगत निवेश को आकर्षित कर आयात को कम करने के लिए विशेष इस्पात हेतु उत्पादन संबद्ध (पीएलआई) योजना 6,322 करोड़ रुपए के समग्र बजट के साथ जुलाई, 2021 में शुरू की गई थी। मंत्रालय द्वारा योजना के निष्पादन की नियमित निगरानी की जाती है। विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:-

	चयनित कंपनियों द्वारा योजना अवधि के दौरान प्रतिबद्धता	**दिनांक 31 दिसंबर, 2024 तक वास्तविक उपलब्धि**
निवेश (करोड़ रु)	27,106	18,850
उत्पादन ('000 टन में)	7,940	1258 (वित्त वर्ष 24-25 में 928)
रोजगार (संख्या में)	14,760	8,930
प्रोत्साहन संवितरण (करोड़ रु)	--	48*
वित्त वर्ष 2024-25 में संवितरण दावा		

जारी...2/-

कंपनी के आकार पर ध्यान दिए बिना व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

i. पीएलआई योजना के लिए समर्पित वेब पोर्टल शुरु करना और मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार।

ii. योजना में भाग लेने के लिए रूचि व्यक्त करने वाली कंपनियों के साथ नियमित वेबिनार।

*****